tinet, ita quidem ut sensu respondeat formae caus. ग्रभयामि. Etiam nostrum *Gabel*, germ. vet. *gabala* furca tanquam instrumentum sumendo inserviens huc traxerim (cf. gr. κρεάγρα). E graecâ linguâ huc retulerim γρῖφος, γρῖπος, rete, ita ut a capiendo sint nominata. Fortasse ἀγρεύω, ἀγρέω dissolvenda sunt in ἀ-γρεύω, ἀ-γρέω, abjectâ radicis consonante finali, ita ut ἀ respondeat praepositioni आ vel अव. Lat. *prehendo* e *grehendo* ortum esse possit, mutatâ gutturali in labialem et mediâ in tenuem, sicut in gr. κλέπτω. Adjectum *end* referri potest ad *âna* Imperativi गृहाण, vel, quod ad idem redit, ad ना τοῦ गृह्णामि etc., adjecto *d* post *n*, sicut e.c. in *tendo* = तन् et nostro *Hund* = श्वन्, शुनस्, κύων, κυνός. Fortasse *gra-tus* sicut nostrum *angenehm* et idem valens *acceptus* ab accipiendo est dictum, abjectâ consonante finali; v. etiam ग्रह् praef. अनु. Lat. *rapio* et gr. ἁρπάζω e *grapio*, γραπάζω mutilata esse possent, sicut *nascor* e *gnascor*, *nosco* e *gnosco*, νοῦς e γνοῦς; respiciatur etiam scr. लभ्, quod fortasse ante linguarum separationem e ग्रभ् vel ग्लभ् mutilatum est, quum antiquitas formae लभ् cognato graeco ΛΑΒ et hib. *lamh* manus confirmetur.

c. अनु 1) favere, fortunare, beare, adjuvare, *c. acc. pers. et instr. rei.* Hit. 17.6.: माम् मैत्र्येणा 'नुगृहीतुम् अर्हसि; 33.12.: अनेन मित्रेणा 'हं स्नेहानुवृत्त्या 'नुगृहीतः; Ragh. 8.85.: कुडुम्बिनीम् अनुगृह्णीष्व निवापदत्तिभिः; Ur. 75.8.: अनुगृहीतो ऽहम् अमुनो 'पदेशेन; Ram. I. 11.13.: अनुगृह्णन्तु माम् अत्र भवन्तः शरणागतम्.

c. उप tollere. Hit. 45.12.: अव्यवसायिनम् अलसम् ... प्रमदे 'व हि वृद्धपतिन् ने 'कत्य् उपगृहीतुं लक्ष्मीः; Ram. III. 51.2.: उपगृह्य शिरो राज्ञः.

c. नि 1) deorsum sumere, deorsum tenere. H. 4.18.19.: वेगेन प्रहितम् बाङ्गन् निजग्राह हसन्न् इव । निगृह्य तम् etc. 2) deprimere, supprimere, devincere, cohibere. N. 22.24.: निगृह्या "त्मनो दुःखम्; Man. 11.32.: स्वेनै 'व वीर्येण निगृह्णीयाद् अरीन्; Hit. 72.10. 67.13. 3) retinere, inhibere, sustinere, sistere, *e. c. equos.* N. 20.4.: निगृह्णीष्व ... हयान् एतान्.

c. नि praef. वि *id.* A. 9.9.: विनिगृह्य हयांश्चा 'थ रथश्च मम.

c. नि praef. सम् jaculari, sagittas conjicere, telis petere. Dr. 7.21.: रथानीकं शरवर्षान्धकारञ् चक्रुः क्रुद्धाः सर्वतः सन्निगृह्य; *cf.* प्रतिग्रह् et निग्रह्.

c. परि 1) amplecti. Sa. 5.101.: पतिम् उत्थापयामास बाङ्गभ्याम् परिगृह्य वै. 2) accipere. Dr. 4.14.: पद्यम् परिगृहाणे 'दम् आसनञ्च. 3) inhibere. Lass. 85.9.: वागर्थम् परिगृह्य मोक्षपदवीन् ध्यायन्ति निर्मत्सराः.

c. प्र tollere, levare, sublevare, protendere. H. 4.17.: बाङ्गम् प्रगृह्य ... अभ्यद्रवत ... भीमसेनम्; Dr. 8.4.: गदाम् प्रगृह्या 'भ्यद्रवत्; 5.25. A. 5.25. 6.16. 7.11.

c. प्रति 1) prehendere. In. 2.19.: सचै 'नम् वृत्तपीनाभ्याम् बाङ्गभ्याम् प्रत्यगृह्णत. (*) Ram. III. 56.3.: प्रतिजग्राह जनन्याश् चरणौ. 2) accipere. A. 6.24. N. 25.4.18.; वाक्यम्, वचनम्, आज्ञाम् प्रतिग्रहीतुम् sermonem, jussum *alicujus* accipere, excipere. R. Schl. I. 1.22.: शिष्यस् तु तस्य ब्रुवतो मुनेर् वाक्यम् अनुत्तमम्। तथे 'ति प्रतिजग्राह; 11.18.: तथे 'तिच नृपस्या "ज्ञाम् मन्त्रिणः प्रतिगृह्य ते. 3) recipere, excipere *hospitio.* N. 21.20.: तम् भीमः प्रतिजग्राह पूजया परया. — अस्त्रैः प्रतिग्रहीतुम् sagittis petere. A. 10.28. — *Caus.* facere ut aliquis capiat. In. 3.2.: पाद्यम् आचमनीयञ्च प्रतिग्राह्य नृपात्मजम्.

c. वि 1) capere, prehendere. A. 9.8.: अन्तर्भूमिगताश्चा 'न्ये हयानाम् चरणान्य् अथ । व्यगृह्णन्. 2) pugnare *c. aliquo.* Hit. 67.13.: कथम् अनेन बलवता सार्द्धम् भवान् विग्रहीतुं समर्थः; 118.9.: एतैः सन्धिन् न कुर्वीत विगृह्णीयात् तु केवलम्; A. 10.29.: ततो श-

(*) Notetur forma *pratyagrhnata* pro *pratyagrhnita*, correpto charactere *nâ* ante terminationem gravem in *na* pro *nî*, in analogia linguae graecae, ubi e.c. ἐδάμνατο opponitur formae activae ἐδάμνη; v. gr. comp. 485.